# हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में 15 अगस्त 2017 को स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों ने भी भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान के निदेशक, डॉ. वी.पी. तिवारी द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया तथा इसके उपरांत राष्ट्रगान गाया । इस

अवसर पर डॉ. वी.पी. तिवारी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि बड़े हर्ष का विषय है कि देश आज 71वां स्वतंत्रता दिवस दिवस मना रहा है । प्रत्येक वर्ष भारत में 15 अगस्त को स्वन्त्रता दिवस के रुप में मनाया जाता है। भारत के लोगों के लिये यह दिन बहुत महत्वपूर्ण होता है । वर्षों की गुलामी के बाद ब्रिटिश शासन से इसी दिन भारत को आजादी मिली । डॉ. तिवारी ने बताया कि राट्रीय ध्वज की भी अपनी एक खास विशेषता है| भारत का तिरंगा तीन रंगों की पट्टियों से मिलकर बना हुआ है ।हरे रंग का अपना-अपना एक विशेष महत्व है । भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की जो सबसे उपरी पट्टी है वो केसरिया रंग की है जोकि भारत देश की शक्ति और साहस को प्रदर्शित करता है, ध्वज के बीच में सफ़ेद रंग है जो शांति और सत्य को दर्शाता है, सबसे नीचे हरा रंग है जो वृद्धि और भूमि की पवित्रता को संबोधित करता है, तथा बीच में सफ़ेद रंग के ऊपर एक नीले रंग का अशोक चक्र है जिसको विधि का चक्र भी कहते हैं जो सारनाथ के शेर के स्तम्भ से लिया गया है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक ने करवाया था । इसमें 24 तीलियां भी है जो धर्म के 24 नियमों एवं समय की याद दिलाती है । निदेशक ने वन एवं पर्यावरण के क्षेत्र विशेषकर हिमालयी क्षेत्रों की चुनौतियों का जिक्र करते हुए सभी का आह्वान किया कि सभी मिलजुल कर तन्मयता से कार्य करते हुए तकनीकों का विकास करें जिससे जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन जैसी

समस्याओं का उचित निदान हो सके एवं स्थानीय लोगों की जीविकोपार्जन को संबल मिल सके । उन्होंने विचार प्रकट किया कि हम सभी पूरी निष्ठां एवं लगन के साथ कार्य करेंगे तो संस्थान निश्चय ही वन एवं पर्यावरण शोध क्षेत्र में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाने में सफल होगा ।